## DEPARTMENT OF RESOURCE MANAGEMENT AND DESIGN APPLICATION

## ECO-CLUB ‘Prakritik’

## संसाधन प्रबंधन और डिजाइन अनुप्रयोग विभाग

## इको-क्लब 'प्राकृतिक'

**(2023-2024)**

Eco-club ‘Prakritik’ initiated by the Department of Resource Management and Design Application serves as a platform for students to engage in and undertake impactful environmental activities and projects, empowering them to contribute to a sustainable future. The club is committed in organizing similar initiatives and activities to sustain momentum in promoting environmental consciousness and action among students.

The Eco-club provides an excellent opportunity for students to explore environmental concepts, build knowledge and attitudes, and promote these values. It empowers them to engage in real-world, eco-friendly activities. The club fosters ecological awareness among youth and emphasizes the importance of 'Go Green with Sustainable Living.' Some of its initiatives include:

संसाधन प्रबंधन और डिजाइन अनुप्रयोग विभाग द्वारा शुरू किया गया इको-क्लब ‘प्राकृतिक’  छात्रों के लिए एक ऐसा मंच है जहाँ वे पर्यावरण से जुड़ी प्रभावशाली गतिविधियों और परियोजनाओं में भाग ले सकते हैं और उन्हें एक स्थायी भविष्य में योगदान देने के लिए सशक्त बना सकते हैं। क्लब छात्रों के बीच पर्यावरण चेतना और कार्रवाई को बढ़ावा देने में गति बनाए रखने के लिए इसी तरह की पहल और गतिविधियों के आयोजन के लिए प्रतिबद्ध है।

इको-क्लब छात्रों को पर्यावरण संबंधी अवधारणाओं का पता लगाने, ज्ञान और दृष्टिकोण का निर्माण करने और इन मूल्यों को बढ़ावा देने का एक उत्कृष्ट अवसर प्रदान करता है। यह उन्हें वास्तविक दुनिया, पर्यावरण के अनुकूल गतिविधियों में संलग्न होने के लिए सशक्त बनाता है। क्लब युवाओं के बीच पारिस्थितिक जागरूकता को बढ़ावा देता है और 'सतत जीवन के साथ हरित जीवन' के महत्व पर जोर देता है। कुछ पहल इस प्रकार हैं:

- **Participation in ‘Worlds Environment Day Celebration’ (5th June 2023)**

The Eco-club participated in the celebration of “World Environment Day” on 5th June 2023 at Thyagraj Stadium, New Delhi. The event was graced by the Hon’ble Chief Minister of GNCTD. The event and skit presented there highlighted the importance of sustainable practices and ecological awareness, motivating students to actively engage in protecting the environment for a sustainable future.

- **विश्व पर्यावरण दिवस समारोह’ (5 जून 2023) में भागीदारी**

इको-क्लब ने 5 जून 2023 को त्यागराज स्टेडियम, नई दिल्ली में “विश्व पर्यावरण दिवस” के उत्सव में भाग लिया। इस कार्यक्रम में जीएनसीटीडी के माननीय मुख्यमंत्री ने भाग लिया। कार्यक्रम और वहां प्रस्तुत नाटक ने पर्यावरण के

अनुकूल प्रथाओं और पारिस्थितिक जागरूकता के महत्व पर प्रकाश डाला, जिससे छात्रों को एक स्थायी भविष्य के लिए पर्यावरण की रक्षा में सक्रिय रूप से शामिल होने के लिए प्रेरित किया गया।

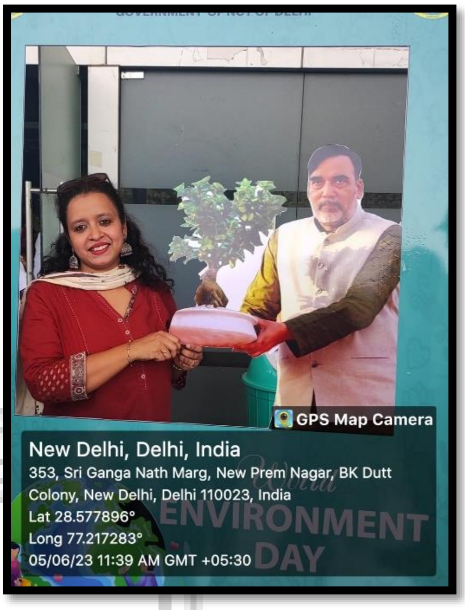

- **Wildlife-week celebration (October 2nd-8th 2023)**

The Eco-club Prakritik coordinator sensitized students during class timings about National Wildlife Week (October 2-8), emphasizing the 2023 theme "Partnerships for Wildlife Conservation" with the aim to spread the message of protecting and preserving India's flora and fauna. The discussion highlighted the theme and

the crucial role of collaborative efforts in protecting endangered species and their habitats. Chart of the endangered animals were also shown to the students attached below.

- **वन्यजीव-सप्ताह समारोह (2-8 अक्टूबर 2023)**

इको-क्लब प्राकृतिक समन्वयक ने कक्षा के समय में राष्ट्रीय वन्यजीव सप्ताह (2-8 अक्टूबर) के बारे में छात्रों को जागरूक किया, जिसमें 2023 की थीम "वन्यजीव संरक्षण के लिए साझेदारी" पर जोर दिया गया, जिसका उद्देश्य भारत के वनस्पतियों और जीवों की रक्षा और संरक्षण का संदेश फैलाना है। चर्चा में थीम और लुप्तप्राय प्रजातियों और उनके आवासों की सुरक्षा में सहयोगी प्रयासों की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला गया। छात्रों को लुप्तप्राय जानवरों का चार्ट भी दिखाया गया, जो नीचे संलग्न है।

Discussion was conducted to inform the students about the importance of wildlife conservation, focussed on raising awareness and providing information on the various challenges facing India’s wildlife.

वन्यजीव संरक्षण के महत्व के बारे में छात्रों को सूचित करने के लिए चर्चा आयोजित की गई, जिसका उद्देश्य जागरूकता बढ़ाना और भारत के वन्यजीवों के सामने आने वाली विभिन्न चुनौतियों के बारे में जानकारी प्रदान करना था।

- **Conducting ‘Sankalp Sabha’ in respect of reducing pollution"Red Light on Gaadi Off" (7th Novemeber 2023)**

Department of GNCT has guided eco clubs to organise the Sankalp sabha. For the same, Sankalp sabha has been organised with the students for creating awareness regarding vehicular pollution and took oath within the college premises. Problems and consequences of vehicular emissions were discussed and sensitised the students for putting off the vehicles while red lights on roads to reduce pollution. Students participated in the campaign and took oath sincerely for the protection of the environment.

**• प्रदूषण कम करने के लिए संकल्प सभा का आयोजन "रेड लाइट ऑन गाड़ी ऑफ" (7 नवंबर 2023)**

जीएनसीटी विभाग ने संकल्प सभा आयोजित करने के लिए इको क्लबों को निर्देशित किया। इसी के तहत कॉलेज परिसर में वाहनों से होने वाले प्रदूषण के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए छात्रों के साथ संकल्प सभा का आयोजन किया गया और शपथ ली गई। वाहनों से होने वाले उत्सर्जन की समस्याओं और परिणामों पर चर्चा की गई और छात्रों को प्रदूषण कम करने के लिए सड़कों पर रेड लाइट होने पर वाहन बंद करने के लिए जागरूक किया गया। छात्रों ने अभियान में भाग लिया और पर्यावरण की सुरक्षा के लिए ईमानदारी से शपथ ली।

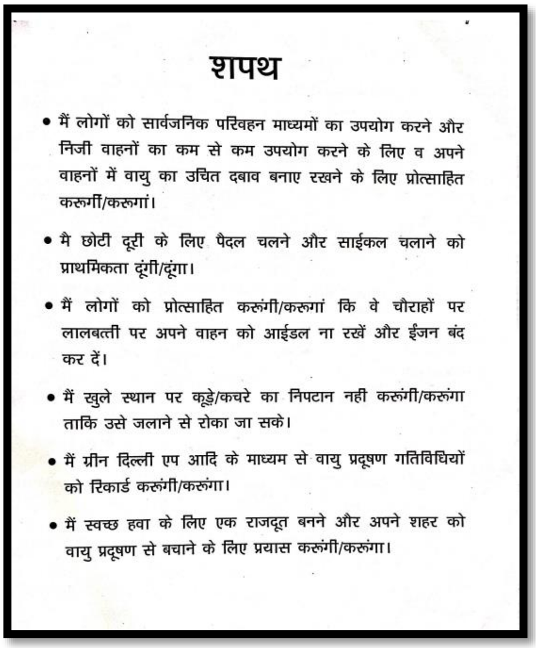

**शपथ**

- मैं लोगों को सार्वजनिक परिवहन माध्यमों का उपयोग करने और निजी वाहनों का कम से कम उपयोग करने के लिए व अपने वाहनों में वायु का उचित दबाव बनाए रखने के लिए प्रोत्साहित करूगीं/करूगां।
- मै छोटी दूरी के लिए पैदल चलने और साईकल चलाने को प्राथमिकता दूंगी/दूंगा।
- मैं लोगों को प्रोत्साहित करूंगी/करूगां कि वे चौराहों पर लालबत्ती पर अपने वाहन को आईडल ना रखें और ईंजन बंद कर दें।
- मैं खुले स्थान पर कूड़े/कचरे का निपटान नहीं करूंगी/करूंगा ताकि उसे जलाने से रोका जा सके।
- मैं ग्रीन दिल्ली एप आदि के माध्यम से वायु प्रदूषण गतिविधियों को रिकार्ड करूंगी/करूंगा।
- मैं स्वच्छ हवा के लिए एक राजदूत बनने और अपने शहर को वायु प्रदूषण से बचाने के लिए प्रयास करूंगी/करूंगा।

- **Logo making on wetland day celebration (3rd February 2024)**
  The Eco-Club organised logo making activity for students of 2nd semester to celebrate World Wetlands Day. The purpose of the activity was to engage students in creative expression while highlighting the importance of wetlands conservation. The activity served as a platform to ignite conversations and discussions about wetlands preservation and environmental stewardship among students. It provided an opportunity for students to channel their creativity towards a meaningful cause while fostering a sense of responsibility towards the environment.

**• वेटलैंड दिवस समारोह पर लोगो बनाने की गतिविधि (3 फरवरी 2024)**

इको-क्लब ने विश्व वेटलैंड दिवस मनाने के लिए दूसरे सेमेस्टर के छात्रों के लिए लोगो बनाने की गतिविधि आयोजित की। इस गतिविधि का उद्देश्य छात्रों को रचनात्मक अभिव्यक्ति में शामिल करना था, साथ ही वेटलैंड संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डालना था। यह गतिविधि छात्रों के बीच वेटलैंड संरक्षण और पर्यावरण संरक्षण के बारे में बातचीत और चर्चा को प्रज्वलित करने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करती है। इसने छात्रों को पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी की भावना को बढ़ावा देते हुए एक सार्थक उद्देश्य के लिए अपनी रचनात्मकता को चैनल करने का अवसर प्रदान किया।

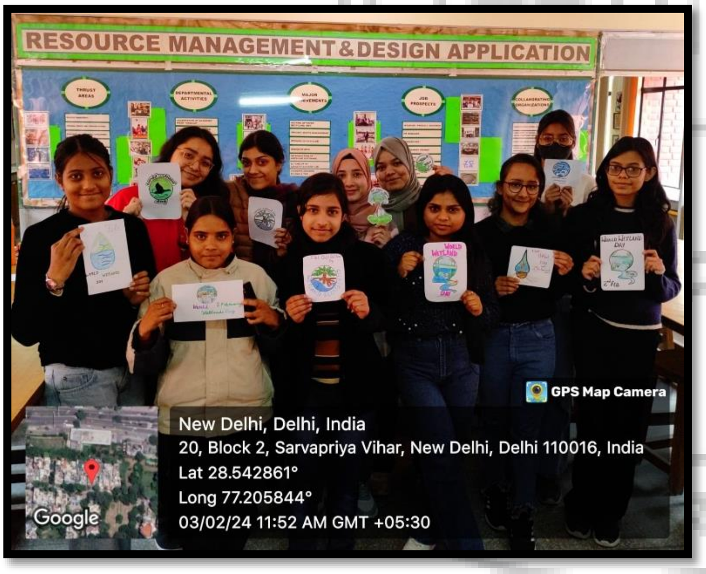

- **Field visit to Okhla bird century (21st February 2024)**

The primary objective of the field visit was to facilitate experiential learning and firsthand observation of bird species and their habitats. Students had the opportunity to observe birds in their natural habitats, learn about their behaviour, and understand the significance of wetlands as crucial ecosystems for avian biodiversity.

During the visit, educational sessions were conducted to impart knowledge about the importance of bird sanctuaries, wetland conservation, and the role of ecosystems in supporting wildlife. Students engaged in interactive discussions, birdwatching activities, and nature walks, enhancing their awareness of environmental issues and fostering a sense of environmental stewardship. The field visit provided students with a holistic learning experience, enriching their understanding of

biodiversity, ecology, and conservation. Such field visits play a vital role in complementing classroom learning, fostering environmental awareness, and nurturing a generation of environmentally conscious individuals committed to conservation efforts.

**• ओखला बर्ड सेंचुरी का फील्ड विजिट (21 फरवरी 2024)**

फील्ड विजिट का मुख्य उद्देश्य पक्षियों की प्रजातियों और उनके आवासों के बारे में अनुभवात्मक शिक्षा और प्रत्यक्ष अवलोकन को सुविधाजनक बनाना था। छात्रों को उनके प्राकृतिक आवासों में पक्षियों को देखने, उनके व्यवहार के बारे में जानने और पक्षियों की जैव विविधता के लिए महत्वपूर्ण पारिस्थितिकी तंत्र के रूप में आर्द्रभूमि के महत्व को समझने का अवसर मिला।
यात्रा के दौरान, पक्षी अभयारण्यों, आर्द्रभूमि संरक्षण और वन्यजीवों के समर्थन में पारिस्थितिकी तंत्र की भूमिका के महत्व के बारे में ज्ञान प्रदान करने के लिए शैक्षिक सत्र आयोजित किए गए। छात्रों ने इंटरैक्टिव चर्चाओं, पक्षी अवलोकन गतिविधियों और प्रकृति की सैर में भाग लिया, जिससे पर्यावरण संबंधी मुद्दों के बारे में उनकी जागरूकता बढ़ी और पर्यावरण संरक्षण की भावना को बढ़ावा मिला। फील्ड विजिट ने छात्रों को समग्र शिक्षण अनुभव प्रदान किया, जिससे जैव विविधता, पारिस्थितिकी और संरक्षण के बारे में उनकी समझ समृद्ध हुई। इस तरह के फील्ड विजिट कक्षा में सीखने को पूरक बनाने, पर्यावरण जागरूकता को बढ़ावा देने और संरक्षण प्रयासों के लिए प्रतिबद्ध पर्यावरण के प्रति जागरूक व्यक्तियों की एक पीढ़ी का पोषण करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

NATURE WALK
GPS Map Camera
Google
Noida, Uttar Pradesh, India
H829+H92, Noida, Uttar Pradesh 201301, India
Lat 28.551937°
Long 77.318516°
21/02/24 11:07 AM GMT +05:30

Hindi Name : अबाबिल
English Name : Wire-tailed Swallow
Zoological Name : Hirundo smithii
Habitat : Pairs, parties in open country, cultivation, near tanks, lakes, reservoirs
Distribution : Throughout India up to 3000m in the Himalayas
Status : Migratory
Food : Flies, insects, etc.
NOIDA
HCL
HCL FOUNDATION
ओखला पक्षी विहार
OKHLA BIRD SANCTUARY

ओखला पक्षी विहार का संक्षिप्त परिचय
ओखला पक्षी विहार की जैव विविधता

- **Hands-on Workshop on 'Forest landscape Sketches' (1st March 2024)**

A hands-on workshop on 'Forest Landscape Sketches' was organized for the students of RMDA with the theme 'Forest for Eco-Restoration' on 1st March 2024. The workshop aimed to provide students with a creative platform to explore and depict forest landscapes while emphasizing the importance of forests in ecological restoration efforts. Resource person, Ms. Gurleen kaur provided guidance on sketching techniques, composition, and capturing the essence of forest landscapes. Students were encouraged to observe and sketch various elements of forests, including trees, foliage, wildlife, and natural features. The workshop provided students with a unique opportunity to connect with nature through art while gaining insights into forest ecology and restoration. By actively engaging in sketching forest landscapes, students developed a deeper appreciation for the beauty and complexity of forests. The hands-on workshop on 'Forest Landscape Sketches' proved beneficial and provided valuable learning experience for students, combining artistic expression with environmental education.

- **'वन परिदृश्य रेखाचित्र' पर व्यावहारिक कार्यशाला (1 मार्च 2024)**

1 मार्च 2024 को 'वन फॉर इको-रेस्टोरेशन' थीम पर आरएमडीए के छात्रों के लिए 'वन परिदृश्य रेखाचित्र' पर व्यावहारिक कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला का उद्देश्य छात्रों को वन परिदृश्यों का पता लगाने और उन्हें चित्रित करने के लिए एक रचनात्मक मंच प्रदान करना था, साथ ही पारिस्थितिक बहाली प्रयासों में वनों के महत्व पर जोर देना था। संसाधन व्यक्ति, सुश्री गुरलीन कौर ने रेखाचित्र बनाने की तकनीक, रचना और वन परिदृश्यों के सार पर मार्गदर्शन प्रदान किया। छात्रों को पेड़ों, पत्तियों, वन्यजीवों और प्राकृतिक विशेषताओं सहित वनों के विभिन्न तत्वों का अवलोकन करने और रेखाचित्र बनाने के लिए प्रोत्साहित किया गया। कार्यशाला ने छात्रों को कला के माध्यम से प्रकृति से जुड़ने का एक अनूठा अवसर प्रदान किया, जबकि वन पारिस्थितिकी और बहाली में अंतर्दृष्टि प्राप्त की। वन परिदृश्यों को रेखाचित्र बनाने में सक्रिय रूप से शामिल होने से, छात्रों ने वनों की सुंदरता और जटिलता के लिए गहरी प्रशंसा विकसित की। 'वन परिदृश्य रेखाचित्र' पर व्यावहारिक कार्यशाला लाभदायक साबित हुई और छात्रों के लिए कलात्मक अभिव्यक्ति को पर्यावरण शिक्षा के साथ जोड़ते हुए मूल्यवान सीखने का अनुभव प्रदान किया।

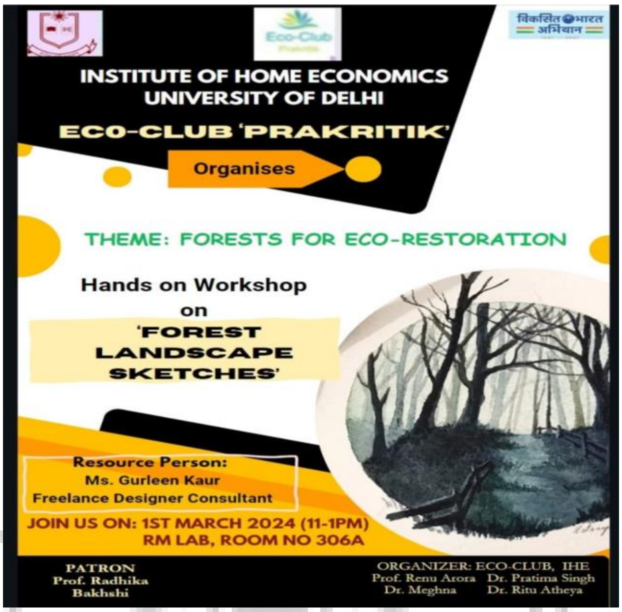

- **Celebrating World Wildlife Day (3rd March 2023)**

  Eco-club 'Prakritik' of IHE also organised a poster-making competition to observe 'World Wildlife Day on 3rd March 2024.'. The broad theme for the competition was 'wildlife conservation for ecology'. Students of different semesters participated in the contest. Through artistic expression, participants were encouraged to raise awareness about the importance of protecting wildlife and their habitats. The poster making competition served as a catalyst for stimulating discussions and raising awareness about wildlife conservation and its pivotal role in maintaining ecological integrity.

• **विश्व वन्यजीव दिवस (3 मार्च 2023) मनाना**

IHE के इको-क्लब 'प्राकृतिक' ने '3 मार्च 2024 को विश्व वन्यजीव दिवस' मनाने के लिए पोस्टर-मेकिंग प्रतियोगिता का भी आयोजन किया। प्रतियोगिता का मुख्य विषय 'पारिस्थितिकी के लिए वन्यजीव संरक्षण' था। प्रतियोगिता में विभिन्न सेमेस्टर के छात्रों ने भाग लिया। कलात्मक अभिव्यक्ति के माध्यम से, प्रतिभागियों को वन्यजीवों और उनके आवासों की सुरक्षा के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया गया। पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता ने वन्यजीव संरक्षण और पारिस्थितिक अखंडता को बनाए रखने में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में चर्चाओं को प्रोत्साहित करने और जागरूकता बढ़ाने के लिए उत्प्रेरक का काम किया।

- **Hands on workshop on ‘Making Recycled paper products (7th March 2024)**

The Eco Club ‘Prakritik’ and Department of RMDA hosted a hands-on workshop focused on crafting recycled paper products on 7th March 2024. The trainer was Mr Piyush Pant from TARA. Firstly, the trainer explained the intricate process of making recycled paper beginning with shredding the paper, making pulp and then pressing and drying the pulp, resulting in sheets of recycled paper. The trainer emphasized the significance of each step in minimizing environmental impact and conserving resources. In the workshop, participants learned innovative techniques to repurpose paper waste into useful items. From folders to carry bags, the workshop showcased the versatility of recycled materials. Through practical demonstrations, attendees gained insights into sustainable practices and the importance of reducing waste. Overall, the event fostered creativity while promoting environmental consciousness among students.

• **‘पुनर्नवीनीकरण कागज़ उत्पाद बनाने पर व्यावहारिक कार्यशाला (7 मार्च 2024)**

ईको क्लब ‘प्राकृतिक’ और आरएमडीए विभाग ने 7 मार्च 2024 को पुनर्नवीनीकृत कागज़ उत्पाद बनाने पर केंद्रित एक व्यावहारिक कार्यशाला आयोजित की। प्रशिक्षक TARA के श्री पीयूष पंत थे। सबसे पहले, प्रशिक्षक ने पुनर्नवीनीकृत कागज़ बनाने की जटिल प्रक्रिया को समझाया, जिसमें कागज़ को काटना, लुगदी बनाना और फिर लुगदी को दबाना और सुखाना शामिल है, जिसके परिणामस्वरूप पुनर्नवीनीकृत कागज़ की शीट बनती हैं। प्रशिक्षक ने पर्यावरणीय प्रभाव को कम करने और संसाधनों के संरक्षण में प्रत्येक चरण के महत्व पर जोर

दिया। कार्यशाला में, प्रतिभागियों ने कागज़ के कचरे को उपयोगी वस्तुओं में बदलने की नवीन तकनीकें सीखीं। फ़ोल्डरों से लेकर कैरी बैग तक, कार्यशाला में पुनर्नवीनीकृत सामग्रियों की बहुमुखी प्रतिभा का प्रदर्शन किया गया। व्यावहारिक प्रदर्शनों के माध्यम से, उपस्थित लोगों को संधारणीय प्रथाओं और कचरे को कम करने के महत्व के बारे में जानकारी मिली। कुल मिलाकर, इस कार्यक्रम ने छात्रों के बीच पर्यावरण चेतना को बढ़ावा देते हुए रचनात्मकता को बढ़ावा दिया।

- **Training programme on Sustainable Waste Management Practices' (21st March 2024)**

  Eco-club 'Prakritik' in collaboration with 'Centre for sustainability,' Department of RMDA and Environment and Community Outreach Committee organised a 'Training programme on Sustainable Waste Management Practices' on 21st March 2024. Dr Radha Goyal, Deputy Director of IPCA, served as the resource person. The event aimed to raise awareness among students and staff about the significance of sustainable waste management. It covered methods for segregating waste at the source and strategies for reducing waste generation through simple lifestyle changes. The program emphasized practical approaches to managing waste sustainably.

- **सतत अपशिष्ट प्रबंधन प्रथाओं पर प्रशिक्षण कार्यक्रम' (21 मार्च 2024)**

  इको-क्लब 'प्राकृतिक' ने 'स्थायित्व के लिए केंद्र', आरएमडीए विभाग और पर्यावरण एवं सामुदायिक आउटरीच समिति के सहयोग से 21 मार्च 2024 को 'स्थायी अपशिष्ट प्रबंधन प्रथाओं पर प्रशिक्षण कार्यक्रम' का आयोजन किया। आईपीसीए की उप निदेशक डॉ. राधा गोयल ने विशेषज्ञ के रूप में कार्य किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों और कर्मचारियों के बीच सतत अपशिष्ट प्रबंधन के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाना था। इसमें स्रोत पर अपशिष्ट को अलग करने के तरीके और सरल जीवनशैली परिवर्तनों के माध्यम से अपशिष्ट उत्पादन को कम करने की रणनीतियों को शामिल किया गया। कार्यक्रम में अपशिष्ट को स्थायी रूप से प्रबंधित करने के व्यावहारिक तरीकों पर जोर दिया गया।

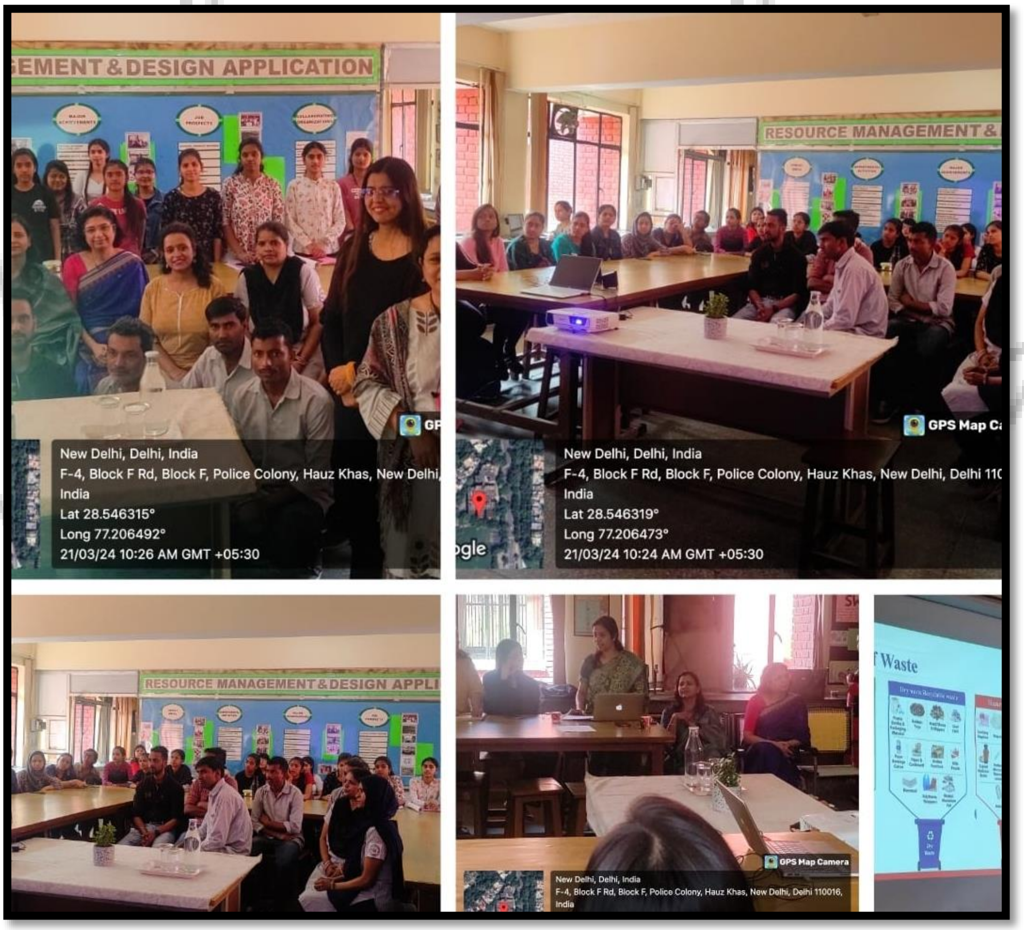


- **Observation of Earth Hour (23rd March 2024)**

In observance of the Earth Hour on March 23rd, 2024, from 8:30 PM to 9:30 PM 'Eco-club ' Prakritik ' requested all IHE (Institute of Home Economics) family to participate in earth hour by

'switching off all non-essential lights' during this hour. By doing so, eco-club aimed to reduce our carbon footprint and demonstrated our commitment to preserve the mother Earth for future generations.

The Eco-club informed its members that, as stewards of our planet, it is essential to take action to protect the environment by participating in a global initiative focused on raising awareness about climate change and promoting sustainability.

**• अर्थ ऑवर का पालन (23 मार्च 2024)**

23 मार्च, 2024 को रात 8:30 बजे से 9:30 बजे तक अर्थ ऑवर के पालन में 'इको-क्लब' प्राकृतिक' ने सभी IHE (होम इकोनॉमिक्स संस्थान) परिवार से अनुरोध किया कि वे इस घंटे के दौरान 'सभी गैर-ज़रूरी लाइटें बंद करके' अर्थ ऑवर में भाग लें। ऐसा करके, इको-क्लब का उद्देश्य हमारे कार्बन पदचिह्न को कम करना और भविष्य की पीढ़ियों के लिए धरती माता को संरक्षित करने की हमारी प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करना है।

इको-क्लब ने अपने सदस्यों को बताया कि हमारे ग्रह के संरक्षक के रूप में, जलवायु परिवर्तन के बारे में जागरूकता बढ़ाने और स्थिरता को बढ़ावा देने पर केंद्रित वैश्विक पहल में भाग लेकर पर्यावरण की रक्षा के लिए कार्रवाई करना आवश्यक है।